

GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0772**

Classification:

Original File No:

Title

Head Supervisor, Lutheran Schools, Ranchi

Volume:

Running from year: 1958

till year: 1962

Content:

- Correspondence with Head Supervisor & Inspection report of Tokad Middle School.
- Correspondence with District Education Officer.
- Enquiry report of Tokad Middle School.

1958-62

File No. _____

Head Supervisor,
LUTHERAN SCHOOLS.

Name _____

Subject Correspondence _____

Serial Nos. _____ to _____

From _____ to _____

Year _____ 19

58-62

Chas. W. High 2.2
Feb. 2. 1954 (2.2)

To, The Supervisor Lutheran Mission School/Ranch
Noatoli, Date 20-10-54

With respectfully I beg to say that my
dearness allowance have not come from
June to August 1953-54 of Jukka U. P. School
so please kindly to send this balance
because I have great need of money.
At this year I have come at K. T. School
Noatoli. If there is any cause of not
come then you must tell me by any
card. My address is so which is
written down. Please excuse me
on my mistake. I must expect the
reply from you. Yours faithfully
Herrick Gidley

भारत डाक-टिकट शताब्दी

1854 - 1954

My Address

To. Hizkiel Lyidlu
R.T. School Noatoli
P.O. Conlir noatoli
Dist - Ranchi



To
The supervisor
Lutheran Mission school's
Ranchi
P.O. Ranchi
Dist - Ranchi

from - J. Kuyil. Hd. Master
(G. E. L.) C. P. School

Kumbhatoly.

Po. Lohardaga.

Dist. Ranchi

To

The Head Supervisor
Lutheran schools,
Ranchi

Sir,

Most respectfully

I beg to say that the Bill for
Grant-in-aid of our school
period for March, 53 to Feb, 54.
has been forwarded, obtaining
County Signature by S. J. & S. Kumar
Circle.

I therefore request you to
kindly keep an eye above this
matter and send the sum of Grant
-in-aid amounting Rs. Sixty only as soon.

as possible. Because as I the
poor of teacher fell in a great
great expence in threedays.

Thanking you for the same.

Yours

Obediently

Is micah Kuyir

Ad-Master

(G.S.-L.) L. P. School

Kumbhatoli

POSTCARD

REPLY

ADDRESS ONLY

10/10/10

राष्ट्र



To

The Head Supervisor

Lutheran Schools

Ran chi

पं० ०१८/५४. लू० स्ल० पी० स्कुल
कुम्भारीली।
तः ११ ए-५४

पैषक - हेड मास्टर;

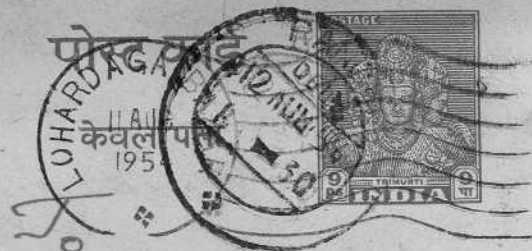
लूथेरान स्ल० पी० स्कुल कुम्भारीली

प्राप्त - श्री मान हेड सुपरवाइजर
लूथेरान स्कुल राँची।

विषय - मार्च ५३ से फरवरी ५४ तक
का गान्ट इन एड बिल।

आप को भुपाया मालूम होवे कि मैंने
तां: २०-६-५४ को आप के दफ्तर में
हाजिर हुआ था। उसी वृत्तिलों का बीज
फिया गया। आखिर कार आप ने जवाब
दिये कि उक्त बिल स्कुल से सब-इन्स्पेक्टर
लोहरदगा सर्दिल के पास भेजा गया है।
काउन्टर सिगनेचर होकर अभी तक मेरे
दफ्तर में न तो आया है। मैंने वहाँ
लौट कर सब-इन्स्पेक्टर हाटवलीहर
दगा सर्दिल से मुलाकात किया। उक्त
बिल उसी आफिस में पकी गयी। लेकिन
हम लोग का स्कुल अभी लोहरदगा सर्दिल
से निकाल कर कुडु सर्दिल में मिला दिया।

गया। उस लिये लोहरदगा सर्व
 के एस. आर्. बिल में लही
 करने से लाचार थे। उन्होंने
 कहा कि ता. ३१-७-५४ को जब
 मुख गेदरींग होगी तो कु३ के
 एस. आर्. भी यहीं उपविजे तब
 यह बिल में उनके हाथ दे दूंगा।
 तारीख ७-५४ को मुख गेदरींग में
 मैंने उनसे इस बात का थाफ
 दिलाया। उन्होंने यह बिल कु३
 के एस. आर्. को दे दिया। मैंने
 कु३ के एस. आर्. से अनुरोध
 किया कि यह बिल जल्द वापस
 भरवा दियेगा। सी. आप. इस बिल
 के विषय जांच करें। आप को
 अभी मिला हुआ नही
 असेमबली में



The Head

नाम

Supervisor;

पता

Lutheran

डाकखाना

Schools

ज़िला

Ranchi

OFFICE OF THE HEADSUPERVISOR LUTHERAN SCHOOLS RANCHI.
Ranchi.

No 32/62-Hs-5.

Dated the 24th Sept.'62.

To,

The Headmaster,
Tokad Lutheran M.E. School,
P.O. Bandgaon, Singbhum.

With reference to your letter No. nil dated the 24th Sept '62,
I am enclosing herewith the following:-

1. Letter No. 155/5 R-4-59 dated 5th February 1959, from the
Sub-Divisional Education Officer to the Head Supervisor Lutheran
Schools Ranchi with drawing of the recognition of the Tokad M.E.
School.

2. Letter No. 3010/II-2-58 dated 3rd July 1958, from the Dist.-
rict Inspector of Schools to the Deputy Inspector of Schools
Sadar asking the letter to withdraw recognition in case the Head-
master of the said school did not stop Religious teaching in his
School.

The former letter No. 155 dated 5-2-1959 is sent in
original, the other one is a copy. Kindly show them to the D.E.O.
and Deputy Inspector of Schools Chaibassa and thereafter return
the original letter to me.

Yours faithfully,

Head Supervisor,
Lutheran Schools Ranchi.

दि. 24/9/62

5

$\frac{136}{24-9-62}$

Tokad
24th Sept; 62

The Head Supervisor,
Lutheran Schools,
Ranchi.

महाशय,

आपको यीशुसहाय होवें।

आजकल हम लोग दुःख में पड़े हुए हैं।
आशा है आप लोग अच्छे हो-हेगे।

अजीसमान्धार हैं दि. 9/9-8-62

का D.E.O. तथा Deputy, 1/2 टोकाद स्कूल
को देखने आये थे। उन्होंने कहा कि

Recognition letter (मंजूरी चिट्ठी) और Recognition

Withdrawal letter (मंजूरी वापसी चिट्ठी)

को लेकर मेरे ऑफिस में मोतचीत करने के
लिए चले आये थे।

आप से प्रार्थना है कि आप उपर्युक्त
दोनों पत्रों को लेकर आने की कृपा करें।

इसे आप प्रत्यावश्यक समझें।

आप का विश्वासी;

Ra. A. Hossain.

24/9/62.

प्रेषक: प्रधानाध्यक्ष. 26/11/62

लुथेरान माध्यमिक विद्यालय, टोकान

5

सेवा में, हेडमस्टर वाइज ऑफ लुथेरान स्कूल,

सैन्टी,
दिनांक १४-३-६३

महोदय,

आप को श्रीकृष्णाय ।

मैं यहाँ आपके साथ विद्यालय उपनिरीक्षण की
विद्यालय निरीक्षण नीति का हक प्रति आप के
दृष्टि आर्पण करता हूँ। कृपया इसे अनुमति
सहित ग्रहण करें। इस नीति पर ध्यान दें।

धन्यवाद,

आप का विश्वस्तः

अनन्तरण कर्मा

१४-३-६३

प्रधानाध्यक्ष

लुथेरान माध्यमिक विद्यालय

टोकान वि. न. स्कूल,

डा० चन्द्रावर, (पिं० ३)

प्रेषक: प्रधानाध्यक्ष,
पुणेराज माध्यमिक विद्यालय, कोरापट,

सेवा में,
हेडमस्टर आइजर ऑफ पुणेराज स्कूल
रांची,

दिनांक: १४-३-६२,

विषय: - मिडोपाधीवास सिंधुपुत्र का विद्यालय निरीक्षण-नोट
का प्रतिलिपि।

निरीक्षण दिनांक ३-३-६२,
संगठन

आज, माध्यमिक विद्यालय में कुछ काम में स्टाफ में से इस स्कूल
का संक्षिप्त निरीक्षण किया।

आज शनिश्चर होने के कारण विद्यालय स्कूल था तथा बच्चे बच्चियों के
द्वारा स्कूल को सफाई की जा रही थी।

आज की दृष्टिपरिस्थिति इस प्रकार थी -

I $\frac{25}{22}$, II $\frac{92}{98}$, III $\frac{1}{2}$, IV $\frac{1}{2}$, V $\frac{6}{6}$, VI $\frac{1}{2}$, VII $\frac{1}{2}$ कुल $\frac{151}{200}$

इस माध्यमिक विद्यालय के लिए रेशन भंडारण कम है तथा दैनिक
रेशन में भी सुधार की जरूरत है। दखिल वही देखने से पता चलता
है कि इस वर्ष सिर्फ १५ बालक बमिकाएं बहाल की गई हैं। बताया
गया कि और २ बालकों को बहाल करना है। रात २२-२-६२ तक
गया। दखिल देखने से पता चलता है कि इस वर्ष बहुत ही
कम बच्चे बच्चियां स्कूल में बहाल की गई हैं। इस माध्यमिक
विद्यालय के लिए बिलकुल आच्छाद नहीं है।

विद्यालय चार शिक्षक यहाँ काम कर रहे हैं।

१. श्री. अनादीरुल मुन्डू, मैट्रिक ४५/-

२. श्री. जयपाल सिंह मुन्डू, एम. बी. जी. डी. ३५/-

३. श्री. पौलुस मुन्डू, एम. ई. डी. १५/-

माध्यमिक कक्षा में पढ़ने वाले छात्रों में से प्रधानाचार्य को कम से कम मैट्रिक अवधि में तथा उनके सहपाठी शिक्षक को मैट्रिक देना चाहिए। वर्तमान शिक्षकों को वेतन भी बहुत कम दिया जा रहा है जो उचित नहीं है। कम वेतन पर उन्हें उचित ध्यान नहीं है।

स्कूल में भ्रष्टाचार की हानिकारक विचारधारा खरब हो रही जा रही है। इसे पूरी तरह से खत्म किया जाय। इसमें अपनी कमियाँ हैं। यह पर्याप्त है पर जायदा आवश्यक भ्रष्टाचार किया जाय।

स्कूल बटिका के लिए यहाँ काफी जमीन है तथा कुछ दिनों पहले रूप लोप अपनी दमन दिया गया था पर अपनी पानी के अभाव में काम बंद है। जो चीजें जंगल में अपनाया जाय उस का पूरा अभिलेख रखा जाय।

अभी इस स्कूल की मंजूरी अर्द्ध हो गई है। १-१-२६ से इसे उठाया गई है। स्कूल के मैत्री महोदय एवं कमीटी को पूर्ण मंजूरी देने के लिए सभी आवश्यकताओं को जल्द पूरा करना चाहिए।

समाज को कमी से नये को पढ़ाई की नीय व सोचको। मैं आज यहाँ चाइलासा के शिक्षाधीन के साथ यहाँ आया था।

इससे दो प्रति-
 डा. दिवालय निदेशक भेंजे
 सचिव के कार्यालय में
 सही - ३/३/६६
 शिक्षाधीन के
 सिंह राय

सही -
 ३/३/६६
 दिवालय डा.
 निदेशक, चाइलासा

from

5

G.E.L. Chavhan Tokad.

Date 30.7.1980 -

The Secretary.

Tokad middle school.

श्रीमान, हेड मुफरवाडजर मुबेरान स्कूल रांची

महोदय, आप को सूचना दी जाती है कि दिनांक

19-7-1980 ई. दिन विषे 2 बजे को टोकनाद माध्यमिक
विद्यालय प्रबन्धक समिति श्री बैठकी बहाराई गई है
इस बैठकी में उपस्थित होने की अपा भेंगे।

आप का विश्वास
म. ए. कानकुलना
म. ए. सेक्रेटरी म. प.
जि. १० के दुकान से लिखा

वर ३१/६०



Te

Head Superbazar
G. E. f. Chanch Ranchi
(Ke) Ranchi

Pro Ranchi

Pisto Ranchi

5

Si, I am enclosing herewith four
copies correspondence passed between
the Education Department and me for
your file.

Yours truly

Enclosed

h. 2877/60

Head Supervisor
Luther School

① No 3010/4-2-58 of 3 July 1958
from Dr. G. Scholz, Englewood to
the Dy. of L. Scholz Sada Chaitan

(2) $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

23/10/1978

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND
ASSAM.

Ranchi, dated the 28th July, 60.

To,
Rev. M. P. Jojo
Secretary,
Tokad Lutheran M. E. School,
P. O. Bandgaon.
Dist. Singbhum.

Sir,
I am enclosing herewith true copies ^{of} correspondences passed
between the Education Department ^{and} me for your file.

Yours sincerely,

W. S. 28/7/60.
Head Supervisor Luth. Schools;
Ranchi.

Enclosed : - (8 Copies)

True copies of:-

- (1) No. 3010/II-2-58 dated 3rd July 1958
from D. I. of Schools Singbhum to the
Dy. I. of schools sadar Chaibassa.
- (2) No. 201/58 dated the 14th July, 1958.
from the Head Supervisor, Luth. Schools, Ranchi.
to the D. I. of schools, Singbhum, Chaibassa.
- (3) No. 3466/II-2-58 dated the 19th July 1958.
from the D. I. of schools, Singbhum to the
Head Supervisor of schools, Ranchi.
- (4) No. 262/58-Hs-37 dated the 9th August 58.
from the Head Supervisor Luth. Schools, Ranchi
to the D. I. of schools, Chaibassa.
- (5) No. 432/58-Hs-37. dated 18th November 1958
from the Head Supervisor, Luth. schools, Ranchi
to the District Education Officer Singbhum, Chaibassa.
- (6) No. 433/58-Hs-37 dated the 20th November 1958,
from the Head Supervisor Luth. Schools, Ranchi.
to the District Education Officer Singbhum, Chaibassa.
- (7) No. 155/5R-4-59 dated the 5th Feb. 1959
from the Sub-Divisional Education officer, Sadar Chaibassa.
to the Head Supervisor Luth. schools, Ranchi.
- (8) No. 20/59-Hs-37 dated the 22nd February 1959.
from the Head Supervisor Luth schools, Ranchi
to the Sub-Divisional Education officer, Sadar, Chaibassa.

62 12/1/60
No. 82 /5R-3-59.

The District Education Officer,
Singbhum.

To

The Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

Chaibasa, the 6 January, 1960.

Subject:- Withdrawal of recognition of Tekad Lutheran Middle School.

Sir,

With reference to your letter No. 146 dated 19.11.59, on the subject noted above, I have to send ~~xxxxx~~ herewith a copy of letter No. 9694 dated 22.12.59, addressed to the Deputy Collector Incharge, Singbhum.

Yours faithfully,

Enc:- 3 pages.

H. R. Das
6/1/60
District Education Officer
Singbhum.

पत्रांक-१६११ / ५२-३-५९

प्रेषक,

जिला शिक्षा पदाधिकारी, सिद्धभूम ,

सेवा में/

प्रभारी- उप समाहर्ता , सिद्धभूम , चाड़कासा

दिनांक २२ दिसम्बर ५८

विषय:-

॥टोकाड लुथरन माध्यमिक विद्यालय की प्रतिकृति ॥

महोदय,

आप के पत्रांक ६६११ जी दिनांक २६-११-५८ के प्रसंग में इच्छित प्रतिकृति निर्माकित है :-

विद्यालय निरीक्षण के सिल सिले में कई बार पाया गया है कि टोकाड माध्यमिक विद्यालय में इसाई तथा गैर इसाई छात्रों को नियमित रूप से धार्मिक शिक्षा दी जाती है । ये छात्र अल्प वयस्क हैं । टोकाड ऐसे क्षेत्र में इसाई संस्थाओं द्वारा किये गये धर्म प्रचार के अवैधनीय उदाहरण आये हैं । अप्राप्त वयस्क छात्रों को बिना उनके अभिभावकों की लिखित सम्मति के धार्मिक शिक्षा देना या धार्मिक उपासना में सम्मिलित करना भारतीय संविधान की धारा २८ (३) के प्रतिकूल है । टोकाड माध्यमिक विद्यालय के अधिकारियों ने इसकी जानकारी अवहेलना की है ।

विद्यालय उप- निरीक्षक , सदर, चायवासा ने अपने पत्रांक ८०० दिनांक २-३-१८५८ को प्रतिकृति देकर दिया कि टोकाड सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय में धार्मिक शिक्षा सभी छात्रों को दी जाती है । प्रधानाध्यापक माध्यमिक विद्यालय टोकाड ने भी अपने पत्रांक १०१/ ५८ दिनांक १०-११-५८ को हेड सुपरवाइजर लुथरन स्कूल के पास लिखा कि (१) वर्गारम्भ के पहले रोजाना प्रार्थना होती है । यह स्कूल के पाठ्यक्रम के दैनिक कार्यक्रम का एक अंश है ।

२- " विद्यालय प्रदेश के स्वतंत्र अभिभावकों को स्कूल के नियमानुसार छात्रों को रखने का हकदार नामा लिखी गयी है । "

हेड सुपरवाइजर , लुथरन स्कूल , रांची ने अपने पत्रांक २६२ दिनांक ८-८-५८ में लिखा कि "They (Non-Christian) students) have been attending religious instructions on the express consent of their guardians"

इसके पूर्व फिर उन्होंने अपने पत्रांक २०१ दिनांक १४-०-५८ को भी उत्तर दिया कि "We are imparting religious instructions in our schools which are run by a religious body in accordance with law".

प्रधानाध्यापक माध्यमिक विद्यालय टोकाड , ने अपने स्कूल की आदेश पुस्तिका में २५-४-५८ तथा २०-३-५८ को आदेश द्वारा धर्म शिक्षा पढाने की घंटी नियमित की है । इसके समर्थन में स्वयं प्रधानाध्यापक ने २५-४-५८ को उप - विद्यालय निरीक्षक सदर, के निरीक्षण टिप्पणी को उत्तर इस प्रकार दिया है :-" स्कूल समिति के नं० २०५० / २२-१-५५ के अनुसार स्कूल में धर्म शिक्षा पढाने की घंटी नियमित की गई है पहले भी ऐसा ही समय नियमित किया गया था । कृ प उ

उपयुक्त स्वीकारोक्तियों और निरीक्षण टिप्पणियों से स्पष्ट प्रमाणित होता है कि सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय टोकाब में ईसाई तथा गैर-ईसाई सभी छात्रों को धार्मिक शिक्षा नियमित रूप से दी जाती है।

मैंने ६-११-५८ को निरीक्षण करने के समय प्रधानाध्यापक से अभिभावकों द्वारा लिखित सम्मति के प्रमाण माँगे जिनके आधार पर गैर ईसाई छात्रों को ईसाई धर्म की शिक्षा दी जाती है। परन्तु प्रधानाध्यापक ने कोई प्रमाण पेश नहीं किया।

पत्रांक ५४३५ दिनांक १३-११-५८ के द्वारा मैंने सुपरवाइजर लुथरन स्कूल रांची लिखा कि छात्रों के स्कूल में गैर ईसाई छात्रों को धार्मिक शिक्षा देना बन्द कर दें। पर इसका कोई भी पालन प्रतिवेदन वांछित तिथि २६-११-५८ तक या आज तक नहीं मिला। फलतः वाध्य हो कर मुझे उस स्कूल की प्रस्वीकृति हटा लेने का आदेश देना पड़ा।

सुपरवाइजर लुथरन स्कूल, रांची अपने पत्रांक ४३३ दिनांक २०-११-५८ को मेरे पास लिखा है कि निरीक्षी अधिकारियों ने मूल दश प्रारंभिक प्रार्थना को धार्मिक शिक्षा मान लिया है। पर उपर्युक्त विवरण स्वयं सुपरवाइजर के पत्रांक २६२ दिनांक ८-८-५८ में लिखित स्वीकारोक्ति के विपरीत है। (अनुच्छेदक) प्रधानाध्यापक ने भी इसे स्वीकार किया है। निरीक्षी अधिकारियों ने संपूर्ण वर्ग में छात्रों को ठोरी में नियमित विषय की तरह इसे पढ़ाते पाया है। इस संबंध में यह कहना आवश्यक है कि बंदगाव टोकाब दोनों ऐसे क्षेत्रों में ईसाई और गैर ईसाई छात्रों के बीच इसी कारण पारस्परिक घृणा फैली है। और राष्ट्रीय दृष्टि कोण से यह विघातक है। जो लोक शिक्षा निदेशक, बिहार, पटना के परिपत्र २८३८ दिनांक १६-५-१८-५८ के अनुच्छेद (सी) के विपरीत है।

शिक्षा विभागीय द्वारा विद्यालय के सभी छात्रों में पारस्परिक सद्भावना, समता एवं सभी धर्मों के प्रति सम्मान भावनाओं को जागृत करने की दृष्टि से टोकाब माध्यमिक विद्यालय के अधिकारियों की नीति सर्वथा विरुद्ध है।

ये ही कारण है कि जिनके आधार पर उसकी प्रस्वीकृति हटा ली गई है।

भवदीय,

६.११.५८/१

जिला शिक्षा पदाधिकारी

सिहभूम,

अनुलग्नक:- पत्रांक ५४३५ दिनांक १३-११-५८

(जिला शिक्षा पदाधिकारी, द्वारा)

लोक शिक्षा निदेशक के पत्रांक २८३८ दिनांक १६-५-५८ को

(सी) अंश की प्रतिलिपि।

A copy of letter No. VII/R8-01/57E. 2838 dated 26.th May, 1959 from the Director of Public Instruction, Bihar to all the District Education Officers and Sub-Divisional Education Officers in the State and others.

" Additions and corrections in the Bihar Education Code, 1944.

Substitute the existing rules in article 182 of the Bihar Education Code and add a new article numbered 182 A, as below:-

182. Withdrawal or withholding of recognition.

Recognition shall only be withdrawn or withheld for reasons to be recorded in writing and on one of the following grounds:-

- (a) That the school does not follow the course of study prescribed or approved by the Department.
- (b) that it has committed a willful breach of the transfer rules.
- (c) that it has not attained or does not attain to a ~~reasonable~~ reasonable standard of efficiency
- (d) that it does not maintain a satisfactory standard of discipline or employs any teacher who takes part in political agitation directed against the authority of Govt. or who endeavours to inculcate opinions tending to excite feelings of political disloyalty or disaffection among the pupils, or to create hatred between the different classes of the residents of the Indian Union.
- (e) that the Managing Committee of the school is not functioning in a way conducive to the smooth administration of the school affairs or proper maintenance of discipline among the teachers or pupils, is not carrying out the directions of the Board of Secondary Education or any competent authority or is not administering the finances of the school properly, or
- (f) that it appears to the authority empowered to grant recognition for any other reason to be injurious to the interest of Education.

Note:-

These rules apply to such Middle and Primary Schools (including Primary Sanskrit Schools and Primary Urdu Schools) as are not under the control of District Boards and special schools such as Sanskrit schools and Madrasas. If recognition is refused to a school under the control of a Municipality, a copy of the order should be sent to the Chairman of the Municipality. The recognition of schools, under the control of District Boards, is governed by the statutory rules framed for these bodies.

182 A. Withdrawal of approval to the constitution of the Managing Committee.

For reasons specified in Clause (a) of the aforesaid rule, the President, Board of Secondary Education in respect of Secondary Schools and District Education Officer in respect of Elementary Schools, instead of withdrawing or withholding recognition, may withdraw the approval to the Constitution of the Managing Committee and make such arrangements for the management of the school as he considers suitable pending proper re-constitution of the Managing Committee. For the purpose of this rule, Elementary Schools will mean, "Primary and Middle Schools".

8
27.1.60

File 5

टोकाड माध्यमिक विद्यालय पर श्री गुरुदयाल प्रसाद, अनुमण्डलीय शिक्षा पदाधिकारी, सदर, चाईबासा द्वारा की गई निरीक्षण टिप्पणी। दिनांक २१-१२-५८

२२.११/६०

आज मैंने उप विद्यालय निरीक्षक, सदर के साथ टोकाड माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। इस स्कूल की स्वीकृति जनवरी, १९५८ से कई कारणों से छीन ली गई है।

विद्यालय में ११:४५ बजे दिन को प्रधानाध्यापक उपस्थित थे। ग्यारह लड़के हाते में टोकरियां बना रहे थे। कुछ देर के बाद अन्य तीन शिक्षक और छात्र आये। तदनुसार छात्रों की उपस्थिति इस प्रकार पाई गई:- ७वां वर्ग ८ में ५, ६वां वर्ग १८ में ८, ५वां वर्ग ० में ५, ४था वर्ग १३ में ४, ३रा वर्ग ६ में ३, २रा वर्ग ८ में ३, १ला वर्ग १४ में ३, कुल ०६ में ३५। दिनांक १८-१२-५८ की हाजिरी नहीं ली गई थी। १८ तारीख को छात्रों की उपस्थिति ०६ में ४१ थी। छात्रों की परीक्षा हो चुकी है। छात्र संख्या और उपस्थिति अत्यन्त असन्तोषजनक है+ और पहले की तुलना में घट रही है।

उपस्थिति दिनांक २५-४-१९५८ को १०३ में ३२

,, ,, १६-८-१९५८ को १०१ में ६८

,, ,, २१-१२-१९५८ को ०६ में ३५

इस वर्ग २८ छात्रों का प्रवेश हुआ है। १९५८ के स्थानान्तर प्रमाण पत्र ठीक से सटे हैं, पर १९५८ में प्रविष्ट छात्रों के सभी स्थानान्तर प्रमाण पत्र थोड़ी बिलंब पड़े हैं। प्रवेश बही में कई खाने अभी तक खाली हैं।

कोष:- कोष की पुस्तिकाएं अच्छी तरह लिखी नहीं जाती। गत परिदर्शन दिनांक १६-८-५८ के समय विद्यालय उप निरीक्षक, सदर ने कोष की गड़बड़ी देखी थी, वह अभी तक मौजूद है। सामान्य कोष ३०-८-५८ तक लिखा है। वचत शून्य है। शिक्षकों को वेतन मा १९५८ तक दिया गया है जिनकी रसीद है। उसके बाद मामूली रसीद पर अग्रिम के रूप में निम्नांकित शिक्षकों को वेतन दिया गया है।

श्री वरुण दास १०१ रु०

श्री पोलुस मुण्डा ६१' १४ न० पे०

श्री फिलिप पूर्ति ३५' ०० ,,

१८०' १४

इनमें से ५१' २५ न० पे० क्राफ्ट की आय से तथा प्रो० फण्ड आदि के रुपये से दिये गये हैं।

शुल्क संग्रह बही:- शुल्क संग्रह बही नहीं रखी जाती है। केवल रसीद बही में प्राप्त रुपयों की रसीद दी जाती है। यह कहना मुश्किल है कि किस छात्र से किस महीने की फीस वसूल की गई या नहीं और किसके पास कितना बाकी है। छात्रों की उपस्थिति बही में इसका कोई उल्लेख नहीं है और वर्ग शिक्षक को इसकी जानकारी नहीं है। सितम्बर ५८ में १०३ रु० फीस के रूप में जमा किया गया है। उसके बाद कोई रकम जमा नहीं है।

अन्य कोषों की स्थिति इस प्रकार है:-

भवन-निर्माण ३१-३-५८ तक

उद्योग [क्राफ्ट] २५-४-५८ तक

२५१' ६८

३४६' ८५

पुरस्कार २१-१२-५० तक	३०' ००
मिनियल २०-१२-५० तक	१८०' ६८'
पुस्तकालय ३०-११-५० तक	१०४' ३०
	<hr/> ८१३' ६८'

कंटीनजेंसी मद में से २०-१०-५८ तक २०२२ न० पे० और खर्च किये गये हैं। गत १५, १६ सितम्बर, १८५८ के परिदर्शन में भी आदेश दिया गया था कि हिसाब अथान [अप-टू-डेट] कर लें पर इस ओर कोई ध्यान नहीं की गई है।

इन रुपयों के रखने के लिये कोई पास बुक नहीं है। यही नहीं, १८५०-५८ में प्राप्त इम्प्रूवमेंट ग्राण्ट के २८८०० अभी तक दर्ज नहीं है।

ऊपर के विभिन्न कोषों के कुछ रुपये तथा शिक्षकों के प्रोवीडेंट फण्ड के रुपये में से शिक्षकों को वेतन दिया जाता है जैसा कि प्रधान शिक्षक ने कहा, पर कितने रुपये किस फण्ड से दिये गये। इसका हिसाब नहीं दिलाया जा सका।

परीक्षा-~~कक्ष~~ कोष में २८-४-५८ को १२३' ८४ न० पे० वचत थे। १३-४-५८ तक और खर्च १०६' ०४ न० पे० दिलाये गये हैं, पर २४-४-५८ के बाद १८५८ की वार्षिक परीक्षा की आय नहीं लिखी गई है। इस मद में भी ४५ रु० १३-११-५८ का भाउचर नहीं है। कुछ भाउचर जो प्रधानाध्यापक ने दिलाये, वे अयोग्य रूप से रखे हैं। उन्हें यथा स्थान साट देना चाहिये।

१८५८ की वार्षिक परीक्षा में भी सभी विषयों के प्राप्त परीक्षा फल बही में नहीं लिखे गये हैं, ६ठे, सातवें में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों के नाम के आगे भी कोई अभ्युक्ति नहीं है।

प्रोवीडेंट फण्ड:- सभी शिक्षक अपने वेतन में से प्रोवीडेंट फण्ड कटते हैं और सरकारी से इसका अंशदान मिलता रहा है। ४-४-५६ के बाद किसी भी शिक्षक के प्रोवीडेंट फण्ड के रुपयों जमा नहीं किये गये हैं और न स्कूल में इसका कहीं कोई हिसाब ही है कि किनके कितने रुपये अभी तक उनके वेतन से लिये गये और कितने सरकार से मिले। बरीब और असहाय शिक्षकों के हक के प्रति यह अत्यन्त अन्याय है।

गत १५-१६ सितम्बर, १८५८ को किये गये पालन प्रतिवेदन में भी प्रधानाध्यापक ने जिम्मेदारियों को दूर करने का आश्वासन दिया था, वे दूर नहीं की जा सकीं। तदनुसार क: शुल्क संग्रह बही, स्टॉक बुक, लॉग बुक, प्रधानाध्यापक द्वारा निरीक्षण बही नहीं बनाई गई है।

ख: विद्यालय भवन के लिये अनुदान मिलने पर भी उसकी मरम्मत नहीं की गई है।

ग: मिनियल के लिये प्राप्त १५ रु० मासिक अनुदान का प्रधानाध्यापक ने दुरुपयोग किया है।

ये सभी रुपये जो प्रधानाध्यापक ने स्वयं डाक लाने के लिये ५ रु० की दर से १०५ रु०

लिया है, जमा नहीं किया गया है।

घ: गत परिदर्शन में १०४०' ६१ तथा अन्य विभिन्न मद के १८८३' २३ न०पै० कुल २८३०' ५८ न०पै० विद्यालय उप निरीक्षक के अनुसार मंत्री या प्रधानाध्यापक के पास निकलते थे।

इनमें से १०४०' ६१ न०पै० वेतन देने में खर्च किये गये थे जैसा कि प्रधानाध्यापक ने लिखा है। शेष रुपयों के बारे में कोई उत्तर नहीं दिया गया है। अतः इस स्कूल में सरकार से प्राप्त रुपये और अन्य रुपयों का दुरुपयोग और सम्बन्ध अवस्था है।

च: पुस्तकालय की पुस्तकें व्यवस्थित नहीं हैं। सामान भी ठीक से नहीं रखे गये हैं। उपरकर की भी कमी है।

स्कूल के मंत्री श्री रे०एम०पी० जोजो हैं। १५-१०-५० के बाद २०-८-५८ तथा ०-५-५८ को कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई है। स्कूल में ईसाई धर्म की शिक्षा देने के सम्बन्ध में ता० ०-५-५८ को एक प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है- "टोकाड स्कूल में धर्म विषय की अच्छी शिक्षा दी जाये" [प्रस्ताव ६ का अंश दि० ०-५-५८]

विद्यालय की वर्तमान स्थिति पूर्ववत् है। छात्र संख्या भी अत्यन्त अल्प है। सरकारी रुपयों का दुरुपयोग होता है। आय-व्यय का हिसाब ठीक से नहीं रखा जाता। शिक्षकों को नियमित वेतन नहीं मिलता। सिलेबस का पालन नहीं किया जाता। धर्म शिक्षा की पढ़ाई पर प्रस्ताव के द्वारा भी जोर दिया गया है।

गत परिदर्शन के बाद विद्यालय में प्रगति होने के बजाय अवनति ही होती रही है।

प्रधानाध्यापक और मंत्री ऊपर लिखी सारी बातों के सम्बन्ध में अबिलम्ब पालन प्रतिवेदन भेजें और आय-व्यय के सारे हिसाब-किताब व्यवस्थित कर, वचत रुपये पास बुक में जमा करें तथा सभी शिक्षकों को नवम्बर ५८ तक वेतन दे दें।

ह० गुरुदयाल प्रसाद
अनुमण्डलीय शिक्षा प्रदाधिकारी, सदर
चाईबासा

ज्ञापांक: १आइ-१५५८: _____

चाईबासा, दिनांक दिसम्बर, १८५८

प्रतिलिपि जिला शिक्षा प्रदाधिकारी, सिंहभूम के पास आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
विद्यालय पुनः प्रसूचित के योग्य नहीं है।

अनुमण्डलीय शिक्षा प्रदाधिकारी, सदर,
चाईबासा

ज्ञापांक: १आ-१५-५८: १०-१३

चाईबासा, दिनांक २० दिसम्बर, १८५८

प्रतिलिपि हेड सुपरवाइजर, लुथरन, रांची, उप विद्यालय निरीक्षक, सदर, चाईबासा, प्रधानाध्यापक, टोकाड माध्यमिक विद्यालय के पास आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित। हेड सुपरवाइजर लुथरन, रांची से अनुरोध है कि वे १०-१-१८६० तक पालन प्रतिवेदन भेज-
वाने।

अनुमण्डलीय शिक्षा प्रदाधिकारी, सदर,
चाईबासा

भारत सरकार के सेवार्थ ।

(पता मिलव्यथ-पुर्जे पर लिखा जायगा ।)

हृड्ड डिपार्टमेंट, मुम्बई, (१५१)
(१५१)

राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र खरीदें ।

अनुसूची ५३ — प्रपत्र संख्या २४६ ए०

बिहार गवर्नमेंट प्रेस, गया ।



No:-----68/5R-3-59. .

From,
The District Education Officer,
Singhbhum.

To,
The head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.
Chabassa, the 6 January 1960.

Subject:- Withdrawal of recognition of Tokad Lutheran Middle
School.

Sir, With reference to your letter No. 146 dated 19.11.59
on the subject noted above, I have to send herewith a copy of
letter No. 9684 dated 22.12.59 Addressed to the Deputy collector
Incharge, Singhbhum.

Enc:- 3 pages.

Yours faithfully,
sd/H. Prasad 8/1/60
District Education Officer,
Singhbhum.

OFFICE OF THE HEAD SUPERVISOR LUTHERAN SCHOOLS,
R A N C H I.

No. _____/59-HS-5

From,

The Head Supervisor,
Lutheran Schools, R a n c h i.

To,

The District Education Officer,
Singbhum, Chaibassa.

Dated Ranchi, the 19th November, 1959.

Subject:- Withdrawal of Recognition of Tokad
Lutheran Middle School.

Reference:- My No.21-22/59 dt.22.2.59.

S i r,

In inviting reference to my above quoted letter on the subject mentioned above I have to say that I wanted certain clarifications as to why and for what reasons the recognition of the Tokad Luth. M.E. School was withdrawn. As far as the question of imparting religious instruction is concerned I have fully explained the matter in my letter No.433/58-HS-37 dt.20.11.58. If the matter could not be made clear, I should have been given further opportunity to explain it more fully. It is, however, regretted that the S.D.E.O. neither acknowledged my letter nor did he give me any further opportunity to explain myself.

It is needless to say that the school has suffered much due to this action of the department. I write you with request to please examine this matter personally and restore recognition of the school. The mistake that the Headmaster or I have done should be explained to us beyond any reasonable doubt and it will not be impossible for us to amend them. Please consider this matter in larger interests for the future education of our children for whom we have been running this school since many years from now. If you think that I should personally see you, please give me a date. Thanks.

Yours sincerely,
Sd/- N.E.Horo,

Memo No. 146/59-HS-5 Dt.19.11.59. Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

Copy forwarded to the Deputy Commissioner, Singbhum, Chaibassa. He is requested to kindly intervene in the matter so that the recognition of the Tokad M.E. School is restored. The recognition was withdrawn with effect from 1st January, 1959.

Head Supervisor
Lutheran Schools, Ranchi.

District Education Officer,
Singhbum.

Subj: withdrawal of recognition of Tokad
Luth. M.E. School.

Ref: my no. 21-22/59 of 22/2/59

Sir,
In writing reference to ^{my} above quoted letter
on the subject ~~of~~ mentioned above I have to say that
I wanted certain clarifications ~~as~~ as to why and
for what reasons the recognition of the Tokad
Luth. M.E. School was withdrawn. As far as ~~the~~
~~concerned~~ I have fully explained the question
of imparting religious instruction is concerned I
have fully explained the matter in my letter

no. 433/58-H.S-37 of 20/11/58. If the matter could
have been

⑧ letter has did any work he made clear, I should have been
be give me a further opportunity to explain myself. It is regretted that the school has
suffered much due to this action of the department.

I write you with a ^{request} to please consider
examine this matter personally and restore recog-
nition of the school. ~~with~~ ~~it~~ The mistake
that the Headmaster or I have done should be
explained to us beyond any reasonable doubt and
it will not be impossible for us to amend
them. Please consider this matter in larger
interest of the ^{future} education of the or
children for whom we have ~~started~~
been running this school for since many years from
now. If you think that I should personally
see you, please give me a date. Many

Yr

19/11/59

CC DC Singhbum, Chaibansa. He is
registered to kindly inform in the
matter so that the recognition of the
Tokad Luth. M.E. School is restored. The
recognition was withdrawn w.e.f. Jan 1959.

No. 2319

From

The District Superintending of Education,
Singhbhum.

To

All the Sub- Inspector of Schools, Singhbhum.
All the Headmaster of Middle Schools.
All the Secretaries of Aided School.
All Deputy inspector of Schools, Singhbhum.
Deputy Supdt. of Education, Seraikella.

Dated Chaibassa, the 19th July, 1959.

Sir,

In inviting your attention to the orders issued by the Deputy Secretary and Special Officer, Education Department under his letter no. 21267 dated the 19th May, 1954 I am to ~~xx~~ state that the date for submission of Salary bill of the teachers of managed and aided middle and primary schools was fixed on the 7th of each month but it has been observed that the bill are not received regularly on the 7th of each month. It has ~~xx~~ also been observed that the bills are received throughout the month with the result that the teachers do not get their pay in time.

You are therefore here by informed that the salary bills of the teachers should be submitted to this office ~~xx~~ after necessary scrutiny in such a way that it must reach this office by the 6th evening or 7th morning of each month positively so that it may be possible to pay the teachers regularly in time. In case of Blocks where hand payment has been introduced, the bills of the teachers within the Block area in duplicate should reach this office by the 3rd of each month without fail.

It may please be noted that if any bill is received in this office after the 7th it will be kept pending till next month and the defaulter for non-submission of the bill within the stipulated time will be held personally responsible for non-payment to the teachers and his name will be reported to higher authorities for disciplinary action.

Please acknowledge receipt of the letter.

Yours faithfully,
Sd/ S.B.Lall
District Supdt. of Education,
Singhbhum.

Memo no. 2319 Dated Chaibassa, the 19th July, 1959.

Copy submitted to the District Education officer, Singhbhum for information.

Sd/ S.B.Lall
District Supdt. of Education,
Singhbhum.

For information.

OFFICE OF THE SUB-DIVISIONAL EDUCATION OFFICER, SADAR, CHAIBASSA.

OFFICE MEMO

Recognition of Tokad Middle School (Chakradharpur P.S., Sadar Sub-Division) is withdrawn with effect from the 1st. January, 1959. under instruction from the District Education Officer, Singbhum.

Sd/- G.D.Prasad.
Sub-Divisional Education Officer,
Sadar, Chaibassa.

Memo No. 155/5R-4-59 Chaibassa, the 5 February, 1959.

Copy forwarded to the Head Supervisor Lutheran Schools, Ranchi (with a spare copy for the Tokad Middle School) for information and necessary action with reference to his letter No.432/58-HS-37 dated the 18th, November, 1958 addressed to the District Education Officer, Singbhum in compliance with the letter no.5435/19-2-58 dated the 13th November, 1958.

The Headmaster has failed to submit compliance report.

Sd/- G.D.Prasad, 5/2
Sub-Divisional Education Officer,
Sadar, Chaibassa.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH
DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION.
Head Supervisor Lutheran Schools
Mr. N.E.HORO.

G.E.L.Church, Ranchi
February 22.1959.

No.20/59*HS-37.

Sri G.D.Prasad,
Sub-Divisional Education Officer,
Sadar, Chaibassa.

Sub:- Withdrawal of recognition of the
Tokad Lutheran M.E.School.
Ref:- Your Memo No.155/5R-4-59, Chaibassa,
the 5th February, 1959.

S i r,
Acknowledging with many thanks your above quoted memo under which you have been pleased to withdraw recognition of the Tokad Luth. M.E.School with effect from 1st January 1959 under instructions from the District Education Officer, Singbhum.

I must mention here that your above memo though issued on 5th. February '59 reached me only yesterday i.e. the 21st February '59 (Saturday). The postal mark on the envelop shows that it was posted on 19th inst. at Chaibassa. I donot know the reason of withholding this important letter for such a long time in your office. However it is there.

I do not exactly know the reason or reasons of withdrawing the recognition of Tokad Luth. M.E.School, since I submitted my explanations to the District Education Officer in time under my letter No.433/58-HS-37 dated the 20th Nov'59; copies of which were sent to the Divisional Inspector of schools, Chotanagpur Division, the Deputy Commissioner, Singbhum and the Headmaster, Tokad Lutheran M.E.School on the same date. I do not make out what further explanations were required of the Headmaster, which he did not submit. ~~xxxxxx~~ I still hold that there are no reasons why the recognition of our school be withdrawn.

I am enclosing a true copy of my letter no.433/58-HS-37 of 20th Nov' 59 for your reference.

May I know if your order under reference is final so that I could move further in the matter with the authorities concerned.

Yours faithfully,
Sd/- N.E.Horo,

Memo No.21-22/59-HS-37, Dt.22-2-59

Copy forwarded to the D.E.O, Singbhum; the Hm. Luth. M.E.S. Tokad
for information and ~~note~~ *note*.

R. P. 54

Acknowledgment.

(To be returned to office of posting for delivery to sender.)

RECEIVED a registered* Letter No. 20/59

addressed to (name) Shri G. D. Prasad
Sub-Divisional Education Officer, Sadar Chaibassa
At. & P.O. Chaibassa, Dist. Singhbhum.
† Insured for Rs.

† Weighing (in words)

Signature of addressee G. D. Prasad Sub-Divisional Education Officer,

Date of delivery 25.2.52 Sub-Divisional SADAR, CHAIBASSA.

*Write here "letter," "post-card," "packet," or "parcel," as the case may be preceded by the word insured" if the article is insured.

† To be filled up only in the case of insured articles, and to be scored out in the case of other articles.

Deshbandhu—P. O. PC/108/52-CMB—15.7.52.—(4317/OP-189 P & T)—1.3.53.—\$ 00,00,000

On Postal Service

To

Sender's name

and address.

DELY
27-259

H. S. CHA

Head Supervisor,

Lutheran Schools, Ranchi.

Name-stamp of
office of posting.

Head Supervisor,
LUTHERAN SCHOOLS,
RANCHI

OK

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION

Head Supervisor Lutheran Schools

Mr. N. E. HORO.

G. E. L. CHURCH, RANCHI.

No 20 /59-HS-37.

February 22, 1959.

Sri G.D. Prasad,
Sub-Divisional Education Officer,
Sadar, Chaibassa.

Sub: Withdrawal of recognition of the Tokad
Lutheran M.E. School.

Ref: Your Memo No. I55/5R-4-59, Chaibassa, the
5 th. February, 1959.

Sir,

Acknowledging with many thanks your above quoted memo under which you have been pleased to withdraw recognition of the Tokad Lutheran M.E. School with effect from 1 st. January 1959 under instructions from the District Education Officer, Singbhum.

I must mention here that your above memo though issued on 5 th. February '59 reached me only yesterday i.e. the 21 st February '59 (Saturday). The postal mark on the envelop shows that it was posted on 19 th. inst. at Chaibassa. I do not know the reason of withholding this important letter for such a long time in your office. However it is there.

I do not exactly know the reason or reasons of withdrawing the recognition of Tokad Luth. M.E. School, since I submitted my explanations to the District Education Officer in time under my letter No. 433/58-HS-37 dated the 20 th. Nov '59; copies of which were sent to the Divisional Inspector of schools, Chotanagpur Division, the Deputy Commissioner, Singbhum and the Headmaster, Tokad Luth. M.E. School on the same date. I do not make out what further explanations were required of the headmaster, which he did not submit. I still hold that there are no reasons why the recognition of our school be withdrawn.

I am enclosing a true copy of my letter No. 433/58-HS-37 of 20 th. Nov '59 for your reference.

May I know if your order under reference is final so that I could move further in the matter with the authorities concerned.

Yours faithfully,

Sd/- N. E. Horo

Encl(1)

GOSSENER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH
DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION

Head Supervisor Lutheran Schools

OFFICE OF THE HEAD SUPERVISOR, LUTHERAN SCHOOLS RANCHI.

Mem No. 21-22/59-HS-37. dated Ranchi the 22 nd. Feb'59.

Copy forwarded to:

The District Education Officer, Singbhum
The Headmaster, Luth. M.E. School, Tokad
for information and needful

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

Acknowledging with many thanks your above quoted memo under which you have been pleased to withdraw recognition of the Tokad Lutheran M.E. School with effect from 1st January 1959 under instructions from the District Education Officer, Singbhum.

I must mention here that your above memo though issued on 5th February '59 reached me only yesterday i.e. the 21st February '59 (Saturday). The postal mark on the envelope shows that it was posted on 19th inst. at Chabassa. I do not know the reason of withholding this important letter for such a long time in your office. However it is there.

I do not exactly know the reason or reasons of withdrawing the recognition of Tokad Luth. M.E. School, since I submitted my explanation to the District Education Officer in time under my letter No. 433/58-HS-37 dated the 20th Nov '59; copies of which were sent to the Divisional Inspector of schools, Chotanagpur Division, the Deputy Commissioner, Singbhum and the Headmaster, Tokad Luth. M.E. School on the same date. I do not make out what further explanations were required of the headmaster, which he did not submit. I still hold that there are no reasons for the recognition of our school be withdrawn.

I am enclosing a true copy of my letter No. 433/58-HS-37 of 20th Nov '59 for your reference. May I know if your order under reference is final so that I could move further in the matter with the authorities concerned.

Yours faithfully
M.E. School

श्रीमान हेड सुपर भैंसर लुचेरान स्कूल नांथी ।

बजारिए मैनेजिंग कमिटी सेक्रेटरी लुचेरान मिडिल स्कूल टोकाद ।

महोदय,

सुनने में लाया है कि तारीख 21-2-1960 को बन्दागांव में बाईबासा से शिक्षा विभाग के सबडिविजनल ऑफिसर लाये थे और हमारे टोकाद स्कूल के हेडमास्टर और अन्य स्कूल के शिक्षकों के सामने सुना दिया कि टोकाद मिडिल स्कूल तोड़ा गया । किस कारण से ऐसा हुआ अगर इस स्कूल के किसी बात की दृष्टि के कारण ऐसा हुआ है तो हम लोग सम्भालने को तैयार हैं बाजार से दोन पूर्वक लाजो हैं कि इसके विषय जांच पड़ताल किया जाय और हम लोगों को जानाया जाय ।

लाइन्डे बाजार मालिक हैं ।

तारीख 22-2-1960

बाजार के तावेदार गया

टोकाद के बसीन्दे गहा

सही - पौलुस मुशडा

सही - इलिथाजर मुन्डा

सही - मनसिद्ध मुन्डा

P.T. 0-

सहित लक्ष्मण पुत्री

सहित जगन्नाथ मन्त्रालय प्रमुख रामु दई नारायण

मन्त्रालय मुन्डा

जिरी मन्त्रालय मुन्डा

मनसुख भोगरा

बलवांस हेमरोन

इलीयार मुन्डा

डाकडि मुन्डा

मन्त्रालय

देव
सहित
जोहन मुन्डा

मन्त्रालय मुन्डा

देवसही

सुलोधान
पुराडा

देवसही

देवसही

देवसही

देवसही

देवसही

देवसही

No.432/58-HS-37

Dated , the 18th Nov. 1958.

To,

The District Education Officer,

Singbhum, CH A I B A S S A .

S i r,

I acknowledge herewith the receipt of your Memo no.5435/II-2-58 dated 13th November, 1958. A copy of the same has been forwarded to the Head Master Middle School Tokad for needful.

Yours faithfully,

Sd/- N.E.Horo,
18/11/58.

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

Department of Primary Education,

Head Supervisor, Lutheran Schools,

Mr. N.E.Horo

G.E.L.CHURCH, RANCHI

No.433/58-HS-37.

Dated, the 20th Nov.1958.

To,

The District Education Officer,
Singbhum, Chaibassa.

Sub*- Religious instruction in Tokad
Lutheran M.E.School, Bandaon.

Sir,

In continuation to my letter No.432/58-HS-37 dated the 18th November, 1958 I have to submit that each day the school begins with devotions which all the students attend. This hour of devotion cannot be called a class of religious instruction. Religious instructions are held separately and no Inspecting Officer has ever visited such classes. Apparently the Inspecting Officers have misunderstood the opening devotion to be a class of religious instruction.

Religious instruction are meant only for those who willingly want to attend and no one has ever been compelled to attend it. No non-Christian guardian has ever complained or objected to in this connection. It cannot be said therefore that we have been compelling the non-christian students to attend the religious instruction. From the report of the Headmaster it appears that the District Education Officer, Singbhum did not ask the former for declarations of guardians in connection with religious instructions when he visited the school on 6th Nov. 1958. The declaration forms four in number presented to him were regarding the admission of students in the school.

Under the circumstances I do not see any reason why the Tokad Lutheran M.E.School should be punished through withdrawal of its recognition.

Yours faithfully,

Sd/-N.E.Horo,
20/11/58.

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi

Copy to:-

- (1) The Inspector of Schools, Chotanagpur Division, Ranchi, and
 - (2) The Deputy Commissioner Singbhum, Chaibassa for information.
- This is in reply to Memo No.5435/II-2-58 dated 13th Nov. 1958 of the District Education Officer, Singbhum.
-

Enquiry report on the affairs of Tokad Lutheran Middle Schools,
Bandgaon.

The Dy-Inspector of Schools, Sadar, Chaibassa in his letter No.900 dated the 2nd June, 1958, reported that he found religious instruction being imparted to both Christian and Non-Christian students and asked the Headmaster to explain why it was so done. The Headmaster said that this was being done by the orders of the School Committee. The District Inspector of Schools, Singbhum in his letter No.3010 of the 3rd July 1958 asked the Headmaster to stop religious teaching in his school or the recognition would be withdrawn. The Head Supervisor, Lutheran schools, Ranchi in his letter no. 201 dated 14th July, 1958 took exception to this and said that they were imparting religious instruction in accordance with law and referred to articles 28(2) & (3) and 30 (1) & (2) given in the fundamental chapters of the Constitution of India. He also asked the District Inspector of Schools, Singbhum to quote the authority under which he had asked the Headmaster to stop religious instruction. The District Inspector of Schools, Singbhum in his letter No. 3466 of the 19th July, 1958 asked the Head Supervisor Lutheran School, Ranchi to quote authority under which he imparted religious instruction to Non-Christian students. The Head Supervisor Lutheran Schools, Ranchi in his letter No.262 of the 9th August, 1958 said that the Non-Christian Students were attending religious Instruction on the express consent of their guardians.

I visited the school on the 6th November and asked the Headmaster to let me have all the forms of declarations used by the guardians. He gave me some forms, but he did not show me any declaration by Non-Christian guardians allowing their wards to attend religious instruction. I asked the Headmaster whether he had any kind of declaration which he did not show me, but the replied in the negative.

As the case is a very serious one, because minor students are involved in this, declarations by Non-Christian guardians should have been preserved in writing. Bandgaon is a place where very recently peace was in danger on account of proselytising activities of the Catholic Mission. It seems to me, therefore, that the statement of the Head Supervisor regarding the consent of the guardians is not true.

A copy of this letter should be sent to him asking him to write to the Headmaster to stop all religious teaching to Non-Christian students. If a compliance report is not received here by the 25th instant, I shall be compelled to withdraw recognition of the school.

Sd/- H. Prasad,
District Education Officer, Singbhum.

Memo No.5435/11-2-58. Chaibassa, the 13 November, 1958.

Copy submitted to the Inspector of Schools, Chotanagpur Division, Ranchi/Deputy Commissioner, Singbhum and Head Supervisor, Lutheran Schools, Ranchi, for information.

Sd/- H. Prasad
10/11/58
District Education Officer, Singbhum.

No.3466/II-2-58.

From The District Inspector of Schools, Singbhum.
To, The Head Supervisor,
Lutheran school, Ranchi.
Dhaibassa, the 19 July, 1958.

S i r,
In reference to your letter No.201 dated 14.7.58 I have to request you to quote any authority under which religious instructions are to be imparted to non-christian students, which the school does at present.

Yours faithfully,

Sd/- H.Prasad,
18/7
District Inspector of Schools,
Singbhum.

No. 262/58-HS-37

From The Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.
To, The District Inspector of Schools,
Singbhum Chaibassa.

Dated Ranchi, the 9th August, 1958.

S i r,
With reference to your letter no.3466/II-2-58 dated 19th July, 1958 I have to say that religious instruction in the Tokad Middle School is in no way compulsory for non-Christian students. They have been attending religious instruction on the express consent of their guardians and as such no complians have ever been made to us and to the authorities concerned.

You are introducing a new thing in your letter under reference which is altogether absent in your original order to the Deputy Inspector of Schools Chaibassa Sadar, which was intended to be communicated to the Headmaster of the Tokad Middle School. I should think that to introduce a new thing purported be a reply to my letter no.201 dated 14.7.58 is ~~irrelevant~~ irrelevant and not tenable. I am sorry to state that your letter under reference is no reply to my letter. It must be concluded that your order under reference is not based on any authority and as such your order is of non-effect.

Yours faithfully,

Sd/- N.E.Horo,
9/8/58
Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

RELIGIOUS TEACHING IN THE MIDDLE SCHOOL
T O K D.

No.3010/11-2-58.

From, The District Inspector of Schools, Singbhum.
To, The Deputy Inspector of Schools Sadar
Chaibassa, the 3rd July, 1958.

Sir, Please ask the Headmaster, Tokad Middle School to stop religious teaching in his school, or recognition of it would be withdrawn.

Yours faithfully,

Sd/- R. Prasad,
District Inspector of Schools, Singbhum,
P.O. Chaibassa,
Singbhum.

Memo no. 1028
5/7/58

Copy forwarded to the Headmaster, Tokad Middle School for information. He should reply whether the order is complied with.

Sd/- M.M.Khan,
for Deputy Inspector of Schools,
P.O. Chaibassa,
Singbhum.

No. 201/58

From The Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.
To The District Inspector of Schools,
Singbhum, At & P.O. Chaibassa,
Dist. Singbhum.

Dated Ranchi, the 14th July, 1958.

Subject: Religious instruction in schools run by
religious denominations.

Reference:- Your no.3010/11-2-58 addressed to the Deputy Inspector of Schools Sadar Chaibassa copy of which forwarded to the Headmaster Tokad Lutheran M.E. School by the Deputy Inspector (Sadar) under his memo no.1028 of 5.7.58.

S i r,

Would you be so kind as to quote me the authority under which you have ordered the Headmaster of the Tokad Lutheran M.E. School through the Deputy Inspector of Schools Sadar, to stop imparting religious instruction in the said school with an ultimatum to withdraw its recognition.

In this connection I have to draw your attention to Article 28(2) & (3) and 30 (1) & (2) given in the Fundamental Chapters of the Constitution of India which in clear terms explain the position in question. We are imparting religious instruction in our schools, which are run by a religious body, in accordance with law.

I have to submit that your above mentioned order is wholly unwarranted and is in contravention of the Constitution of India, and we are taking serious view of it.

Yours sincerely,

Sd/- N.E.Horo,
Head Supervisor,
Lutheran schools, Ranchi.

Memo n.201/58, dt. Ranchi the 14 July, 1958
Copy forwarded to: The Deputy Inspector of schools, Sadar Chaibassa, Singbhum with ref. to his Memo.1028/5.7.58
for information.

भारत सरकार के सेवार्थ

पत्रांक



सेवा में

प्रेषक :—

डाकघर

जिला

Sub-Divisional Education Officer,
SADAR, CHAIBASA.



24/11/58

प्रेषक:-

पत्रांक 103/58
9-11-58

प्रचार-विभाग,
टोकाद मिडिल स्कूल,
डॉ. लक्ष्मण (सिंहपुर)।

सेवा में,

जिला शिक्षाधिकारी, सिंहपुर,
नाईवासा।

टोकाद दिनांक 9 दिनां नोवम्बर 98 58।

विषय :- अस्मिता सहस्रता-ग्रन्थ-भंगुदण
के विषये आवेदन-पत्र।

महोदय,

आप के कार्यालय के पत्रांक 3668/दिनांक
9 दिनां नोवम्बर 98 58 के प्रभुत्व में आप को
सूचित किया जाता है कि अस्मिता सहस्रता-ग्रन्थ-
भंगुदण के विषये टोकाद मिडिल स्कूल का
आवेदन-पत्र नं० 108/58 दिनांक 9-11-58
को विद्यालयों के उप-निर्देशक, सदर-नाईवासा
के कार्यालय में समर्पित कर विई गई है।

अनुवीक्षित विवरण,

पत्रांक 103/58

डॉ. लक्ष्मण

पत्रांक 108-2/58

18-11-58

टोकाद

पत्रांक 103/58

विद्यालयों के उप-निर्देशक

हैड सुपरिन्टेन्डेंट

पत्रांक 103/58
डॉ. लक्ष्मण
सिंहपुर
नाईवासा
दिनांक 9-11-58
आवेदन-पत्र
नं० 108/58
विषय :- अस्मिता सहस्रता-ग्रन्थ-भंगुदण
के विषये आवेदन-पत्र

15-11-34

15-11-34

1 (1934) 1934-1935

1934-1935

1934-1935

1934-1935

1934-1935

1934-1935

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION

Head Supervisor Lutheran Schools

Mr. N. E. HORO.

G. E. L. CHURCH, RANCHI.

No. 432 /58-HS-37.

Dated, the 20th Nov. 1958.

To,

The District Education Officer,
Singbhum. Chaibassa.

Sub:- Religious instruction in Tokad
Lutheran M.E. School, Mandgaon.

Sir,

In continuation to my letter No. 432/58-HS-37 dated the 18th November, 1958 I have to submit that each day the school begins with devotions which all the students attend. This hour of devotion cannot be called a class of religious instruction. Religious instructions are held separately and no Inspecting Officer has ever visited such classes. Apparently the Inspecting Officers have misunderstood the opening devotion to be a class of religious instruction.

Religious instruction are meant only for those who willingly want to attend and no one has ever been compelled to attend it. A non-Christian guardian has ever complained or objected to in this connection. It cannot be said therefore that we have been compelling the non-Christian students to attend the religious instruction. From the report of the Headmaster it appears that the District Education Officer, Singbhum, did not ask the former for declarations of guardians in connection with religious instructions when he visited the school on 6th Nov. 1958. The declaration forms four in number presented to him were regarding the admission of students in the School.

Under the circumstances I do not see any reason why the Tokad Lutheran M.E. School should be punished through withdrawal of its recognition.

Yours faithfully,

[Signature]
Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

P.T.O.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION

Head Supervisor Lutheran Schools

Mr. N. E. HORO.

G. E. L. CHURCH, RANCHI.

Page - 2.

Copy to :-

(1) The Inspector of Schools, Chotanagpur
Division, Ranchi and

(2) The Deputy Commissioner Singbhum, Chaibassa
for information. This is in reply to the
Memo No. 5435/II-2-58 dated 13th Nov. 1958 of
of the District Education Officer, Singbhum.

(3) The Headmaster Lutheran Middle School
Tokad for information.

h. E. 20/11/58

No. 432 /58-MS-37.

Dated , the 18th Nov.1958.

To,

The District Education Officer,

Singbhum , C H A I B A S S A.

Sir,

I acknowledge herewith the receipt of your Memo no.5435/II-2-58 dated 13th November,1958. A copy of the same has been forwarded to the Head Master Middle School Tokad for needful.

Yours faithfully,

[Signature]
Head Supervisor,
Lutheran Schools,Ranchi.

प्रेषक: श्री हनुमन् मठ

पत्रांक १०४/४८

पुष्पनगर, पटना, ११/३

१७-११-४८

DR:- वन्दनार्थ (सहित)।

श्रीगुरु देव सुपरमेश्वर,
सुखेश्वर स्कूल, रौंजी।

दिनांक १७ वीं नोवेंबर १९४८

विषय: "विद्यार्थियों में प्रार्थना एवं धर्मशिक्षा प्रसारण"

प्रति,
श्रीगुरु देव सुपरमेश्वर,

आप के पत्रांक ४२८/४८ दिनांक १६ वीं नोवेंबर १९४८ के प्रत्युत्तर में आप को अजित किया जाता है कि १, वर्तमान के पहले रोजाना प्रार्थना होती है। यह स्कूल के पर्यटकों के दैनिक कार्यक्रम का एक भाग है। श्री सुखेश्वरी शर्मा, जिना विश्वविद्यालय के १६/११/४८ के निरीक्षण में तथा श्री भा. हनुमन्, विद्यार्थी उप-निरीक्षण, अदर - नई दिल्ली के १४/१६-१८ के निरीक्षण का आदेश भी है।

२, आप ने भारत के संविधान २८(२) का इस्तेमाल किया है। इस के अनुसार धर्मस्वाधीन स्थापित संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा देना आवश्यक पतलगा गया है। किन्तु किसी विशेष धर्मस्वाधीन संस्था के उचित पक्षधर नहीं किया गया है। अतः ईसाई-गैर-ईसाई कर्म-कर्मों को नपे २ स्तरों में धार्मिक-शिक्षा-पठ में उपरिस्थित होते जाते हैं।

विद्यार्थी-प्रवेश के वक्त अभिभावकों को स्कूल के नियमों के बारे में रखने का इवेंट-गंगा विधि गई है, फिर भी धार्मिक-पठ में उपरिस्थित रहने के लिये किसी को बाध्य नहीं किया गया है।

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION

Head Supervisor Lutheran Schools

Mr. N. E. HORO.

G. E. L. CHURCH, RANCHI.

Enquiry report on the affairs of Tokad Lutheran Middle School,
Bandgaon.

The Dy-Inspector of schools, Sadar, Chaibassa in his letter No. 900 dated 2 nd. June, 1958 reported that he found religious instruction being imparted to both christian and non-christian students and asked the Headmaster to explain why it was so done. The Headmaster said that this was being done by the orders of the school committee. The District Inspector of schools, Singbhum, in his letter No. 3010 of the 3 rd. July 1958 asked the Headmaster to stop religious teaching in his school or the recognition would be withdrawn. The Head Supervisor, Lutheran Schools, Ranchi in his letter No. 201 dated 14 th. July 1958 took exception to this and said that they were imparting religious instruction in accordance with law and referred to Article 28(2) and (3) & 30(I) & (2) given in the Fundamental chapters of the constitution of India. He also asked the District Inspector of schools, Singbhum, to quote the authority under which he had asked the Headmaster to stop religious instruction. The District Inspector of schools, Singbhum in his letter No. 3466 of the 19 th. July 1958 asked the Head Supervisor, Luth. Schools, Ranchi, to quote authority under which he imparted religious instruction to non-christian students. The Head Supervisor, Luth. Schools, Ranchi in his letter No. 262 of the 9 th. August '58 said that the non-christian students were attending religious instruction on the express consent of the guardians.

I visited the school on the 6 th. Nov. '58 and asked the Headmaster to let me have all the forms of declaration used by the guardians. He gave me some forms, but he did not show any declaration by non-christian guardians allowing their wards to attend religious instruction. I asked the Headmaster whether he had any kind of declaration which he did not show me, but he replied in the negative.

As the case is a very serious one, because minor students are involved in it, declaration by non-christian guardians should have been preserved in writing. Bandgaon is a place where very recently peace was in danger on account of proselytising activities of the catholic mission. It seems to me, therefore, that the statements of the Head Supervisor regarding the consent of the guardians is not true.

A copy of this letter should be sent to him asking him to write to the Head master to stop all religious teaching to non-christian students. If a compliance report is not received here by 25 th. inst, I shall be compelled to withdraw recognition of the school.

P.T.O.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION

Head Supervisor Lutheran Schools

continued from page..1. Mr. N. E. HORO

G. E. L. CHURCH, RANCHI.

Enquiry report on the affairs of Tokad Lutheran Middle School,

Sd: H. Prasad,

District Education Officer, Singbhum.

Buusan/
10/11

Mem No. 5435/ II-2-58 Chaibassa the 13 th. Nov. '58.

Copy submitted to the Inspector of schools, Chotanagpur Division, Ranchi/Deputy Commissioner, Singbhum and Head Supervisor of schools, Ranchi for information.

Sd: H. Prasad,

10.11.58

District Education Officer, Singbhum.

Office of the Head Supervisor, Luth. Schools, Ranchi.

Memo No. 429/58 dated the 16 th. Nov. '58.

Copy forwarded to the Head Master, Luth. M.E. School, Tokad for information and compliance report to this office immediately. He should also report to me actual occurrences when the Inspecting Officers visited his school, and any other information in this connection which he would like me to know.

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

As the case is a very serious one, because minor students are involved in it, declaration by non-christian guardians should have been preserved in writing. Bandagan is a place where very recently peace was in danger on account of proselytising activities of the catholic mission. It seems to me, therefore, that the statements of the Head Supervisor regarding the consent of the guardians is not true.

A copy of this letter should be sent to him asking him to write to the Head Master to stop all religious teaching to non-christian students. If a compliance report is not received here by 25 th inst, I shall be compelled to withdraw recognition of the school.

278

Enquiry report on the affairs of Tokad Lutheran Middle School, Bandgaon

157/1958
The ⁸⁴Sub-Inspector of Schools, Sadar, Chaibasa in his letter No. 900 dated the 2nd June, 1958, reported that he found religious instruction being imparted to both Christian and Non-Christian students and asked the Headmaster to explain why it was so done. The Headmaster said that this was being done by the orders of the School Committee. The District Inspector of Schools, Singhbhum in his letter No. 3010 of the 3rd July 1958 asked the Headmaster to stop religious teaching in his school or the recognition would be withdrawn. The Head Supervisor, Lutheran Schools, Ranchi in his letter No. 201 dated 14th July, 1958 took exception to this and said that they were imparting religious instruction in accordance with law and referred to articles 28(2) and (3) and 30(1) & (2) given in the fundamental chapters of the Constitution of India. He also asked the District Inspector of Schools, Singhbhum to quote the authority under which he had asked the Headmaster to stop religious instruction. The District Inspector of Schools, Singhbhum in his letter No. 3466 of the 19th July, 1958 asked the Head Supervisor, Lutheran School, Ranchi to quote authority under which he imparted religious instruction to Non-Christian students. The Head Supervisor, Lutheran Schools, Ranchi in his letter No. 262 of the 9th August, 1958 ^{can} that the Non-Christian students were attending religious instruction on the express consent of their guardians.

I visited the school on the 6th November and asked the Headmaster to let me have all the forms of declarations used by the guardians. He gave me some ~~form~~ forms, but he did not show me any declaration by Non-Christian guardians allowing their wards to attend religious instruction. I asked the Headmaster whether he had any kind of declaration which he did not show me, but he replied in the negative.

As the case is a very serious one, because minor students are involved in this, declarations by Non-Christian guardians should have been preserved in writing. Bandgaon is a place where very recently peace was in danger on account of proselytising activities of the Catholic Mission. It seems to me, therefore, that the statement of the Head Supervisor regarding the consent of the guardians is not true.

A copy of this letter should be sent to him asking him to write to the Headmaster to stop all religious teaching to Non-Christian students. If a compliance report is not received here by the 25th instant, I shall be compelled to withdraw recognition of the school.

Sd/- H. Prasad.

District Education Officer, Singhbhum.

Bhusan/
10/11.

Memo No. 2832 / 11-2-58.

Chaibasa, the 73 November, 1958.

Copy submitted to the Inspector of Schools, Chotanagpur Division, Ranchi/Deputy Commissioner, Singhbhum and Head Supervisor, Lutheran Schools, Ranchi, for information.

H. Prasad 10/11/58
District Education Officer, Singhbhum.

From

The Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

To

The District Inspector of Schools,
Singbhum, Chaibassa.

Dated Ranchi, the 9th August, 1958.

S i r,

With reference to your letter no.3466/11-2-58 dated 19th July, 1958 I have to say that religious instruction in the Tokad Middle School is no way compulsory for non-Christian students. They have been attending religious instruction on the express consent of their guardians and as such no complains have ever been made to us and to the authorities concerned.

You are introducing a new thing in your letter under reference which is altogether absent in your original order to the Deputy Inspector of Schools Chaibassa Sadar, which was intended to be communicated to the Headmaster of the Tokad Middle School. I should think that to introduce a new thing purported to be a reply to my letter no.201 dated 14.7.58 is irrelevant and not tenable. I am sorry to state that your letter under reference is no reply to my letter. It must be concluded that your order under reference is not based on any authority and as such your order is non-effect.

Yours faithfully,

W. S. S. 9/8/58

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

Copy to:-

The Head Master, Middle School, Tokad
for information.

Copy to:- The Head Master, Middle School, Tokad for information.
14/8/58
14/8/58

No. 2844 /11-2-58.

From

The District Inspector of Schools, Singhbhum.

To

The Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

Chaibasa, the 9th July, 1958.

Sir,

In reference to your letter No.201 dated 14.7.58 I have to request you to quote any authority under which religious instructions are to be imparted to non-christian students, *which the school does at present?*

Yours faithfully,

[Signature]
District Inspector of Schools,
Singhbhum.

25

The Head Surveyor,
Luttrell School, Ranch.

Chadwick, the 1st July, 1958.

• 726

44-38861-Sub E
Inmate # 1001 dated

Yours truly,

District Inspector of Schools,
Singapore.

No 3090/II-2-58

From,

The District Inspector of Schools, Singbham.

To,

The Deputy Inspector of Schools, Sadar,
Chaibassa to 2nd July 1958.

Sir,
Please ask the Head Master, Lohad Middle School
to stop the religious teaching in his School, or
recognition of it would be withdrawn.

Yours Faithfully

Sd/- R. Prasad

District Inspector of Schools, Singbham
P.O. Chaibassa
Singbham.

Memo No 9022
2-9-58

Copy forwarded to the Head Master, Lohad
Middle School for information. He should
reply whether the order is complied with.

Sd/- M. N. Khan

Deputy Inspector of Schools,
P.O. Chaibassa,
Singbham.

With 24/58
92-9-58

Copy forwarded to the Head Supervisors, with Schools,
Ranchi for information & to issue necessary
instructions -

~~Sd/-~~
Sd/-
Superintendent,
Chandigarh

RELIGIOUS TEACHING IN THE MIDDLE SCHOOL
T O K A D.

No. 3010/II-2-58.

From, The District Inspector of Schools, Singbhum.

To, The Deputy Inspector of Schools Sadar.
Chaibassa , the 3rd July , 1958.

Sir, Please ask the Headmaster , Tokad Middle School
to stop the religious teaching in his school, or recognition
of it would be withdrawn.

Yours faithfully,

Sd. R. Prasad,
District Inspector of Schools, Singbhum,
P.O. Chaibassa,
Singbhum.

Memo no. 1028
5/7/58

Copy forwarded to the Head Master, Tokad Middle School
for information. He should reply whether the order is complied
with.

Sd. M.M. Khan,
for Deputy Inspector of Schools,
P.O. Chaibassa,
Singbhum.

No. 35/58
12-7-58

Copy forwarded to the Head Supervisor, Lutheran Schools,
Ranchi for information and to issue necessary instructions.

Sd. H. Soy,
12/7/58.
Head Master,
Tokad Middle School.

37/Hs

No. _____/58.

From

The Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

To

The District Inspector of Schools,
Singbhum, At & P.O. Chaibassa,
Dist. Singbhum.

Dated Ranchi, the July, 1958.

Subject:- Religious instruction in schools run by
religious denominations.

Reference:- Your no.3010/II-2-58 addressed to the Deputy Inspector of Schools Sadar Chaibassa copy of which forwarded to the Headmaster Tokad Lutheran M.E. School by the Deputy Inspector (Sadar) under his memo no.1028 of 5.7.58.

S i r,

Would you be so kind as to quote me the authority under which you have ordered the Headmaster of the Tokad Lutheran M.E.School through the Deputy Inspector of Schools Sadar, to stop imparting religious instruction in the said school with an ultimatum to withdraw its recognition.

In this connection I have to draw your attention to Article 28(2) & (3) and 30 (1) & (2) given in the Fundamental Chapters of the Constitution of India which in clear terms explain the position in question. We are imparting religious instruction in our schools, which are run by a religious body, in accordance with law.

I have to submit that your above mentioned order is wholly unwarranted and is in contravention of the Constitution of India, and we are taking serious view of it.

Yours sincerely,

Sd/- N.E.Horo.

Memo no. 158, dated Ranchi the July 1958. Head Supervisor,
Copy forwarded to:- The Deputy Inspector of Schools, Sadar Chaibassa, Singbhum
with reference to his memo no. 1028/5.7.58 for information. Lutheran Schools, Ranchi.

Memo no. 201/58, dated Ranchi, the 14th July, 1958. Sd. N.E.Horo
Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

Copy forwarded to the Headmaster Lutheran M.E. School Tokad, P.O. Bandgaon, Dist. Singbhum with reference to his memo no.35/58 dated 12.7.58. He is requested to continue imparting religious instruction as usual.

14/7/58.
Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.